cå,å ikB;Øe ¼n'kZu'kkL=½

B.A. Syllabus (Philosophy)

बी०ए० परीक्षा के लिए दर्शनशास्त्र में कुल सात प्रश्न–पत्र होंगे। दो प्रश्न–पत्र प्रथम वर्ष के लिए, दो प्रश्न–पत्र द्वितीय वर्ष के लिए और तीन प्रश्न–पत्र तृतीय वर्ष के लिए निर्धारित हैं।

प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा और उसके लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित होगा।

There will be seven Question papers in Philosophy in B.A. Examination. The division of Papers in three years will be as follows. Two papers in B.A. Part-I, Two papers in B.A. Part-II and Three papers in B.A. Part-III.

Each paper will carry 100 Marks and of a duration of three hours.

cå,å iFke o"kZ

iFke iz'u i= vad %100

iFke bdkbZ % समाज दर्शन की परिभाषा, स्वरुप एवं क्षेत्र, समाजदर्शन का नीतिशास्त्र समाज शास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र से सम्बन्ध, समाजदर्शन के मनोवैज्ञानिक अधार।

f}rh; bdkbZ % समाज का प्रत्यय, समाज की परिभाषा एवं मूल तत्त्व, समाज की उत्पत्ति से सम्बन्धित प्रमुख सिद्धान्त। समाज का स्वरुप एवं उससे संबंधित प्रमुख सिद्धान्त।

r`rh; bdkbZ % सामाजिक संस्थाएँ : परिवार राज्य औद्योगिक संस्थाएँ एवं शैक्षणिक संस्थाओं के स्वरुप एवं कार्य।

prqFkZ bdkbZ % सामाजिक विचारधारायें– पूँजीवाद, समाजवाद, साम्यवाद, फासीवाद, नाजीवाद, भारतीय समाज दार्शनिक–गान्धी भगवान दास आचार्य नरेन्द्र देव, डॉ० अम्बेडकर

B.A. Part I Paper I

Social Philosophy

Unit 1: Definition nature and scope of social philosophy. It's Relation to Sociology, Political science and Ethics, Psychological basis of social Philosophy.

Unit 2: Idea of Society, Definition of Society and it Fundamental elements, Principles regarding the origin of society Nature of society and principles related with it.

Unit 3: Social institutions– Nature and functions of Family, marriage, state, Industrial institutions and Educational Institution

Unit 4: Social Thoughts- Capitalism, socialism, communism, Facism, Nazism, Indian Social thinkers-Gandhi, Bhagwandas, Narendradev, Ambedkar

Suggested Readings :

डॉ० अशोक कुमार वर्मा– समाज दर्शन

डॉ० हृदय नारायण मिश्र– समाज दर्शन

डॉ० गीतारानी अग्रवाल– धर्म शास्त्रों का समाज दर्शन

डॉ० जगदीश सहाय श्रीवास्तव– समाज दर्शन की भूमिका

डॉ० शिव भानु सिंह– समाजदर्शन

डॉ० संगम लाल पाण्डेय– समाज दर्शन की एक प्रणाली

वी०एन०सिन्हा– समाजदर्शन : सामाजिक एवं राजनैतिक

D.D. Raphael – Problems of Political Philosophy

J.S. Machanji– An outlines of social Philosophy

Dr. Ramnath– Social Philosophy for the Beginners

;k

rdZ'kkL=

iFke bdkbZ % तर्कशास्त्र की परिभाषा, स्वरुप एवं महत्त्व, सत्यता एवं वैधता, आगमन एवं निगमन, वाक्य एवं तर्कवाक्य, परिभाषा के प्रकार, अनौपचारिक तर्कदोष, भाषा के मुख्य कार्य।

f}rh; bdkbZ % निरुपाधिक तर्कवाक्य, अरस्तू का परम्परात्मक विरोध वर्ग तथा अन्य अव्यवहित अनुमान, निरपेक्ष न्यायवाक्य वेन डायग्राम द्वारा न्याय वाक्यों का परीक्षण तथा इसके नियम

r`rh; bdkbZ % प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र : सरल एवं मिश्र वाक्य, मिश्र वाक्यों के प्रकार : संयोजन, निषेध, विकल्प एवं हेतुहेतुमद वाक्य सत्यता सारणी द्वारा तर्क युक्तियों को वैधता एवं अवैधता का परीक्षण, वाक्याकार : सत्यता–सारणी द्वारा वाक्याकारों का परीक्षण : पुनर्कथन, संभाव्य, व्याधाती।

prqFkZ bdkbZ % वैज्ञानिक प्राकल्पनों, वैज्ञानिक व्याख्या, विज्ञान का महत्त्व, आगमनात्मक सामान्यीकरण हेतु मिल की विधियाँ।

Logic

Unit 1: Definition, nature and importance of Logic, Truth and Validity, Induction and deduction, Sentence and proposition, kinds of Definition, Informal fallacies, chief functions of Language.

Unit 2: Categorical proposition, Aristotle’s traditional square of opposition and other immediate inferences. Existential import, categorical syllogism. Testing validity and invalidity of categorical syllogisms through Vein diagram and laws of it.

Unit 3: Symbolic logic, Simple and compound propositions kinds of compound propositions- Negative, Conjunctive disjunctive

and implicative propositions, Testing validity and invalidity of propositions through. Truth table method. Argument-form and sentence- from, Kinds of sentence- Form, Determination of tautology, contingent and contradictoriness through truth table method.

Unit 4: Inductive logic – Scientific hypothesis, Scientific explanation, Importance of science, Methods of Mill for inductive generalization.

Suggested Readings

1.	Introduction to Logic	:	Irving M. Copi
2.	L.S. Stebbing	:	A Modern Introduction to logic
3.	W.V. Quine	:	Methods of Logic
4.	Cohen & Nagel	:	Logic and Scientific Method.
5.	राम मूर्ति पाठक	:	तर्कशास्त्र प्रवेशिक
6.	अविनाश तिवारी	:	तर्कशास्त्र के सिद्धान्त
7.	बद्रीनाथ सिंह	:	तर्कशास्त्र की रुप रेखा
8.	संगल लाल पाण्डेय	:	तर्कशास्त्र का परिचय (अनु० इन्ट्रोडक्सन टू लाजिक)
9.	बालकृष्ण शर्मा	:	तर्कशास्त्र प्रवेश

f}rh; i'u i= vid % 100

i Fke bdkbZ % भारतीय दर्शन की विशेषताएँ, चार्वाक दर्शन–ज्ञान मीमांसा तत्वमीमांसा एवं आचार मीमांसा

f}rh; bdkbZ % जैन एवं बौद्ध दर्शन– जैन दर्शन– द्रव्य की अवधारणा स्याद्वाद, अनेकान्तवाद बन्धन एवं मोक्ष, बौद्ध दर्शन–चार

आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद बन्धन एवं मोक्ष क्षणिकवाद एवं अनात्मवाद

r`rh; bdkbZ % न्याय–वैशेषिक– ज्ञानमीमांसा, प्रत्यक्ष, अनुमान एवं उनके प्रकार, पदार्थ एवं उनके प्रकार सांख्य–योग–पुरुष एवं प्रकृति का स्वरूप एवं उनके अस्तित्व के सम्बन्ध में तर्क। सत्कार्यवाद, अष्टांगयोग ।

prqFkZ bdkbZ % मीमांसा एवं वेदान्त– मीमांसा– धर्म का स्वरुप, प्रामाण्यवाद वेदान्तदर्शन–शंकर–ब्रह्म, माया, जीव, बन्धन एवं मोक्ष, रामानुज–शंकर के मायावाद का खण्डन, ईश्वर।

Paper II
Indian Philosophy

Unit 1: Chief Characteristics of Indian Philosophy Charvaka Philosophy- Epistemology, Metaphysics and ethics.

Unit 2: Jaina and Bauddha Philosophy-Jaina-Substance (Dravya) and it's kinds, Syadvada Anekantavada Bondage and Liberation

Bauddha- Four Noble truth Pratityasamutpad, Nirvan Kshanikvad Anatmavad.

Unit 3: **Nyaya-Vaishesika-**Epistemology-Pratyaksha; Anuman and their kinds, Padartha and its kinds.

Samkhya-Yoga- Purusha, Prakriti-nature and proofs for their existence, satkaryavada, Astangyoga.

Unit 4: **Mimamsa and Vedant-** Mimamsa- Nature of ‘dharma’ Pramanyavad.

Vedant-Advaita-Brahman, Maya, jiva, Bondage and liberation

Vishistadvaita- refutation of Shankara’s conception of Maya, God.

Suggested Reading

1.	M.Hiriyanna	:	Outlines of Indian Philosophy (Hindi and English Version)
2.	C.D. Sharma	:	A Critical Survey of Indian Philosophy (Hindi and English Version)
3.	Datta & Chatterji	:	Indian Philosophy (Hindi and English Version)
4.	S. Radha Krishnan	:	Indian Philosophy Vol. I & II (Hindi and English Version)
5.	हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा	:	भारतीय दर्शन की रुप रेखा
6.	संगम लाल पाण्डेय	:	भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
7.	बी०एन०सिंह	:	भारतीय दर्शन की रुपरेखा
8.	बलदेव प्रसाद उपाध्याय	:	भारतीय दर्शन

chå,å f}rh; o"k

iFke i'u i= vid %

100

iFke bdkb % आधुनिक पाश्चात्य दर्शन की विशेषताएँ, देकार्त– दार्शनिक पद्धति आत्मा के अस्तित्व की सिद्धि, ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी प्रमाण, द्रव्य का स्वरुप, मन, शरीर–सम्बन्ध की समस्या, ज्ञान का स्वरुप

f}rh; bdkbZ % स्पिनोजा– द्रव्य का स्वरुप, सर्वेश्वरवाद, समानान्तरवाद लाइवनिज–चिदणुवाद, चिदणुओं का स्वरुप, पूर्वस्थापित–सामंजस्य

r`rh; bdkbZ % अनुमववादी दर्शन– लॉक–ज्ञानमीमांसा– ज्ञान का स्वरुप, सरल एवं मिश्र प्रत्यय, ज्ञान की सीमा, बर्कले– अमूर्त प्रत्ययों का खण्डन, विज्ञानवाद

prqFkZ bdkbZ % ह्यूम–संस्कार और विज्ञान, प्रत्यय–साहचर्य, कारणता, आत्मा ईश्वर, द्रव्य इत्यादि का खण्डन, संदेहवाद। काण्ट–समीक्षावाद, संश्लेषणात्मक अनुभव निरपेख निर्णय

B.A. II

Paper I

Modern Western Philosophy

Unit 1: Chief Characteristics of Modern Western Philosophy Descartes- Cartesian method, Cogito Ergo Sum, Proofs for the existence of God, Nature of Substance, Mind body relation – Interactionism, Nature of Knowledge.

Unit 2: Spinoza & Leibnitz – Substance, Pantheism, attributes and modes, Mind body problem- parallelism, substance, Nature of monads Pre-established harmony and mind body problem.

Unit 3: Lock & Berkeley- Lock-Epistemology Refutation of innate ideas, Nature of knowledge, Primary and secondary quality simple and compound ideas, limit of knowledge, matter (substance)

Berkeley- Refutation of Abstract ideas, subjective idealism.

Unit 4: Hume- Impressions and ideas, Assication of ideas. Refutation of self, God, causality and matter (substance) skepticism.

Kant- Criticism, Nature of Knowledge, synthetic abriori judgements.

Suggested Reading

1.	W.T. Stace	:	A Critical History of Philosophy
2.	Falkenberg	:	A History of Modern Philosophy
3.	Thilly	:	A History of Philosophy
4.	W.K. Wright	:	A History of Modern Philosophy
5.	चन्द्रधर शर्मा	:	पाश्चात्य दर्शन
6.	याकूब मसीह	:	पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
7.	संगम लाल पाण्डेय	:	आधुनिक दर्शन की भूमिका
8.	जे०एस०श्रीवास्तव	:	आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का इतिहास
9.	हरिशंकर उपाध्याय	:	पाश्चात्य दर्शन का उद्भव एवं विकास
10.	दयाकृष्ण	:	पाश्चात्य दर्शन Vol. I & II

f}rh; iz'u i= vad % 100

izFke bdkbZ % नीतिशास्त्र की परिभाषा एवं स्वरुप, नैतिक निर्णयों का विषय एवं स्वरुप, संकल्प–स्वातन्त्र्य एवं नैतिक उत्तरदायित्व–नियतिवाद एंव अनियतिवाद, नीतिशास्त्र का मनोवैज्ञानिक आधार

f}rh; bdkbZ % परिणामवादी नीतिशास्त्र– उपयोगितावाद बेन्थम, मिल, विकासवाद–स्पेन्सर

r`rh; bdkbZ % आदर्शवादी नीतिशास्त्र– अंतः प्रज्ञावाद, बुद्धिवाद–कान्ट–शुभ संकल्प कर्त्तव्य के लिए कर्त्तव्य का सिद्धान्त निरपेक्ष आदेश नैतिकता की पूर्वमान्यताएँ, आत्मपूर्णतावाद

prqFkZ bdkbZ% गीता का निष्काम कर्मयोग, स्थितिप्रज्ञ, नीत्से का मूल्यों का मूल्यान्तरण का सिद्धान्त एंव अतिमानव, गान्धी का नीतिशास्त्र

Paper II

Ethics

Unit 1: Definition and nature of Ethics, Nature and object of moral judgements, Freedom of will and moral responsibility- Determinism and Indeterminism, psychological basis of Ethics

Unit 2: Teleological Theories – Utilitarianism-Bentham, and Mill, Evolutionism-Spencer

Unit 3: Denotological Theories – Intutionism – Butter, Rationalism – kant- Good will, Duty for the duty's sake, categorical imperative, postulates of morality, perfectionism (General idea)

Unit 4: Niskam Karmyoga, Sthiprajna of Gita Nietschze-Revaluation of values, superman, Ethics of Gandhi

Suggested Reading

1. William Lillie : An Introduction of Ethics
2. Mackenzie : A Manual of Ethics
3. C.D. Broad : Five types of Ethical Theories
4. William K. Frankena : Ethics
5. R.A.P. Rogers : A short History of Ethics
6. A.C. Eving : Ethics
7. S.K. Maitra : The Ethics of Hindus
8. वेद प्रकाश वर्मा : नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त

9.	संगम लाल पाण्डेय	:	नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण
10.	बी०एन०सिंह	:	नीतिशास्त्र
11.	हृदय नारायण मिश्र	:	नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त

chå,å r'rh; o"k

ik'pkR; n'ku dh leL;k,¡
vad % 100

iFke bdkbl % दर्शन की परिभाषा एवं स्वरूप

ज्ञान का स्वरुप (प्लेटो, बुद्धिवाद, अनुभववाद एवं कान्ट) कारणता सिद्धान्त (अरस्तू, ह्यूम, कान्ट)

f}rh; bdkbl % सृष्टिवाद एवं विकासवाद, सृष्टिवाद की समस्या, विकासवाद से सम्बन्धित मत (सर्जनात्मक विकासवाद (वर्गसाँ), उद्गामी विकासवाद (अलेक्जेण्डर), अरस्तू का विकासवाद हेगेल का विकासवाद।

r'rh; bdkbl % देश एवं काल सम्बन्धी समस्याएँ—न्यूटन, लाइबनित्ज एवं कांट, सामान्य सम्बन्धी समस्या—वस्तुवाद, अवधारणावाद नामवाद, सत्य के सिद्धान्त—संवादिता, संसक्तता एवं अर्थक्रियावाद

prqFkl bdkbl % अनुभवकर्ता एवं वस्तु के बीच सम्बन्ध से संबंधित सिद्धान्त—प्रत्यय—प्रतिनिधिवाद (वस्तुवाद), आत्मगत प्रत्ययवाद एवं नव्य—वस्तुवाद

B.A. III

Paper I

Problems of Western Philosophy

Unit 1: Nature and definition of philosophy, Nature of Knowledge (Plato, Rationalism, Empiricism & Kant), Causal Theory (Aristotale, Hume, Kant)

Unit 2: Creationism & Evolutionism- Problems of Creationism, Theories of Evolutionism- Creative Evolutionism (Bergson), Emergent Evolutionism (Alaxander), Evolutionism of Aristotle and Hegel

Unit 3: Problems regarding space & Time (Newton, Leibnitz and Kant) Problem of Universals Realism, conceptualism and Nominalism.

Unit 4: Problem of Truth- Correspondence theory, Coherence theory and Correspondence theory Theories regarding the relation between subject and object-representative realism, subjective Idealism & Neo-realism.

Suggested Reading

1.	A.C. Eving	:	Some Fundament questions of Philosophy
2.	A.D. Woozley	:	Theory of Knowledge
3.	H.M. Bhattacharya	:	Principles of Philosophy
4.	B. Russell	:	Problems of Metaphysics
5.	Machinen	:	Problems of Metaphysics
6.	A.J. Ayer	:	The Central Questions of Philosophy
7.	राजेन्द्र प्रसाद	:	दर्शन की रुप रेखा
8.	हरिशंकर उपाध्याय	:	ज्ञानमीमांसा के मूल प्रश्न
9.	केदार नाथ तिवारी	:	तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा
10.	अशोक कुमार वर्मा	:	तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा
11.	बी०एन०सिंह	:	पाश्चात्य दर्शन की समस्याएँ एवं समकालीन दर्शन

f}rh; i'u i= vad % 100

Hkkjrh; n'kZu dh leL;k,¡

iFke bdkbZ % ज्ञान का स्वरुप– प्रमा, प्रमाण और प्रमेय, प्रामाण्यवाद और अप्रामाण्यवाद, भम्र के सिद्धान्त या ख्यातिवाद।

f}rh; bdkbZ % सृष्टि सम्बन्धी सिद्धान्त– भौतिकवाद परमाणुकारणवाद, प्रकृति परिणामवाद, ब्रह्मपरिणामवाद, मायावाद। कारणता के सिद्धान्त– सत्कार्यवाद, असत्कार्यवाद, प्रतीत्यसमुत्पादवाद, परिणामवाद, विर्क्तवाद।

r`rh; bdkbZ % आत्मविषयक मत– भूतचैतन्यवाद, अनात्मवाद, अनेकात्मवाद एकात्मवाद, कर्म एवं पुनर्जन्म।

prqFkZ bdkbZ % सत् का स्वरुप– एकत्ववाद, द्वैतवाद, अनेकत्ववाद, बन्धन एवं मोक्ष का स्वरूप।

Paper II

Problems of Indian Philosophy

Unit 1: Nature of Prama, Praman Prameya, Pramanyavad and Apramanyavad Theory of Error (Khyativad).

Unit 2: Problem regarding creation and theories regarding this- Matterialism, Parmanukaranvad, Prakritiparinamvad, Mayavad, Brahm parinamvad, Problems of Causality and Theories regarding this: Satkaryavad, Asatkaryavad Pratityasamutpadvad, Parinamvad, Vivartvad.

Unit 3: Problems regarding Atman (soul) and theories regarding this: Bhutchaitanyavad, Anatmavad, Anekantavad, Ekatmvad, Karma and Rebirth.

Unit 4: Nature of Reality : Monism, Dualism, Pluralism, Nature of Bondage and Liberation

Suggested Reading

1.	R.K. Tripathi	:	Problems of Philosophy and Religion
2.	K.C. Raja	:	Some Fundamental Problems of Indian Philosophy
3.	S.C. Chatterji	:	Nyaya Theory of Knowledge
4.	D.M. Datta	:	Six Ways of Knowing
5.	Radhakrishnan	:	Indian Philosophy Vol. I & II
6.	S.K. Maitra	:	Fundamental Questions of Indian Metaphysics & Logic
7.	बी०एन०सिंह	:	प्रमाण परिचय
8.	वद्रीनाथ शुक्ल	:	तर्कभाष (हिन्दी अनुवाद)
9.	डी० वंदिष्टे	:	भारतीय दार्शनिक निबन्ध
10.	नन्द किशोर शर्मा	:	भारतीय दर्शन की समस्याएँ
11.	गीता रानी अग्रवाल	:	भारतीय ज्ञान मीमांसा
12.	वशिष्ट नारायण सिन्हा	:	भारतीय दर्शन की समस्याएँ

r`rh; iz'u i= vad % 100

/keZ n'kZu

iFke bdkbZ % धर्म दर्शन की परिभाषा एवं स्वरुप, धर्मदर्शन का धर्म एवं दर्शन से सम्बन्ध, धर्म की परिभाषा एवं स्वरुप तथा विज्ञान से सम्बन्ध।

f}rh; bdkbZ % धार्मिक चेतना का स्वरुपः धार्मिक चेतना की उत्पत्ति– ज्ञान भावना एवं संकल्प, धार्मिक विश्वास के आधारः तर्कबुद्धि, आस्था, विश्वास, दैवी प्रकाशन

r`rh; bdkbZ % ईश्वर के अस्तित्व के सम्बन्ध में प्रमाणः सत्ता मूलक तर्क, प्रयोजन मूलक तर्क, कार्यकारण मूलक तर्क, नैतिक तर्क,

ईश्वर का स्वरुप एवं गुण, ईश्वर सम्बन्धी धारणाएँ– केवल निमित्तेश्वरवाद, सर्वेश्वरवाद, पुरुषोत्तमवाद, ईश्वरवाद।

prFk bdkb % अशुभ की समस्या एवं इसके समाधान, अनीश्वरवाद एवं इसके प्रकार, आत्मा का अमरत्व और धर्म में इसका महत्त्व विवेकानन्द, गान्धी भगवानदास एवं राधाकृष्णन् के धर्मों की एकता सम्बन्धी विचार

Paper III
Philosophy of Religion

Unit 1: Definition and Nature of Philosophy of Religion. It's relation to 'Dharm' and Philosophy. Definition and nature of 'Dharm' and its relation to science.

Unit 2: Nature of religious consciousness- origin of the religious consciousness- Knowledge, Emotion and Will, Basis of religious belief: Reason, Faith, Belief, Revelation.

Unit 3: Various ideas of God- Deism, Pantheism, Panentheism, Theism. Proofs for the existence of God: Ontological, Causal, Teleological and Moral proofs.

Unit 4: Problem of Evil and its solutions. Atheism and its kinds, immortality of soul and it's importance for religion. Thoughts of Vivekananda, Gandhi Bhagwandas and Radha Krishnan about unity of Religions.

Suggested Reading

1. John Hick : Philosophy of Religion
2. D.M. Edwards : The Philosophy of Religion
3. Radha Krishnan : Eastern Religion and Western Thought

4.	G. Galloway	:	The philosophy of Religion
5.	John Caird	:	An Introduction to Philosophy of Religion
6.	E.S. Brightman	:	Philosophy of Religion
7.	Wright	:	A Student's Philosophy of Religion
8.	हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा	:	धर्म दर्शन की रुपरेखा
9.	बी०एन०सिंह	:	धर्म दर्शन
10.	वेद प्रकाश वर्मा	:	धर्म दर्शन के मूल तत्त्व
11.	याकूब मसीह	:	सामान्य धर्म दर्शन
12.	दुर्गादत्त पाण्डेय	:	धर्मदर्शन का सर्वेक्षण
13.	शिवभानु सिंह	:	धर्म दर्शन का आलोचनात्मक अध्ययन
14.	लक्ष्मी निधि शर्मा	:	धर्म दर्शन

Mkå 'kf'knoh flg
अध्यक्ष, दर्शन विभाग
म०गा०काशी विद्यापीठ वाराणसी

,eå,å iFke o"kZ

Hkkjrh; n'kZu ¼iFke i'u i=½

iFke bdkbZ %

उपनिषद्– ब्रह्म आत्मा

गीता–निष्काम कर्मयोग, ईश्वर

चार्वाक–प्रत्यक्ष प्रमाण, अनुमान एवं व्याप्ति का खण्डन, भौतिकवाद।

f}rh; bdkbZ %

जैन दर्शन– द्रव्य, की परिभाषा एवं प्रकार, स्याद्वाद अनेकान्तवाद, बन्धन एवं मोक्ष, बौद्ध– प्रतीत्यसमुत्पाद निर्वाण का स्वरुप क्षणिकवाद, अनात्मवाद, बौद्ध दर्शन के चार सम्प्रदाय, योग– अष्टांगयोग, ईश्वर

r`rh; bdkbZ %

सांख्य–प्रकृति पुरुष का स्वरुप एवं उनके अस्तित्व के लिए प्रमाण, सत्कार्यवाद, विकासवाद, योग– अष्टांग योग एवं ईश्वर न्याय– प्रमाण, ईश्वर, वैषेशिक– पदार्थ।

prqFkZ bdkbZ %

मीमांसा एंव वेदान्त

मीमांसा– धर्म का स्वरूप, प्रामाण्यवाद, शब्द–प्रमाण अद्वैत वेदान्त– ब्रह्म, माया एवं मोक्ष का स्वरुप,

रामानुजानाचार्य (विशिष्टाद्वैत वेदान्त) ब्रह्म, मायावाद का खण्डन, मोक्ष।

M.A. Previous

Paper I

Indian Philosophy **Marks 100**

Unit 1 : Upanishad- Brahman, Atman Gita- Niskam KarmYoga, God.

Charvak- Pratayaksh, refutation of Anuman, Vyapti and Materialism.

Unit 2 : Jaina Philosophy- Dravya- Definition and its kinds, Syadvad Anekantvad, Bondage and Liberation.

Bauddha – Pratityasamutpadvad, Nature of Nirvan Kshanikvad Anatmavad, Four sects of Buddhism.

Yoga – Astangyoga and God

Unit 3 : Samkhya- Purusha and Prakriti-Nature and proof for existence, satkaryavad evolutionism, Astang Yoga Avam God, Nyay- Praman, God, Vaisesika- Padartha.

Unit 4: Mimamsa- Nature of 'dharma', Pramanyavad, Sabda Praman.

Advait vedant- Brahman Maya and Nature of liberation. Visistadvaita- Brahman, refutation of Mayavad of Sankara, liberation

Suggested Reading

1. Radhakrishnan : Indian Philosophy Vol I & II
2. S.N. Dasgupta : History of Indian Philosophy vol I, II, & III
3. C.D. Sharma : A Critical Survey of Indian Philosophy

4. M. Hirianna : Outlines of Indian Philosophy

5. Yadunath Sinha : Indian Philosophy Vol. I & II

6. संगम लाल पाण्डेय : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण

7. नन्द किशोर देवराज : भारतीय दर्शन

8. दत्त एवं चटर्जी : भारतीय दर्शन

9. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : भारतीय दर्शन की रुपरेखा

10. बलदेव प्रसाद अपाध्याय : भारतीय दर्शन

f}rh; iz'u i= vad % 100

ik'pkR; n'ku

iFke bdkbZ % प्लेटो सत् का स्वरुप, प्रत्यय का स्वरुप, प्रत्ययवाद शुभ का प्रत्यय, ज्ञान मीमांसा। अरस्तू– प्लेटो के प्रत्ययवाद का खण्डन, द्रव्य एवं आकार, कारणता। एक्विनस–ईश्वर

f}rh; bdkbZ % डेकार्ट– दार्शनिक पद्धति, ''मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ'' अस्तित्व सम्बन्धी प्रमाण, द्रव्य, मन–शरीर सम्बन्ध की समस्या

स्पिनोजा– द्रव्य का स्वरुप, गुण एवं पर्याय, ईश्वर, सर्वेश्वरवाद समानान्तरवाद

लाइबनित्ज– चिदणुवाद, चिदुणुओं का स्वरूप पूर्व स्थापित सामंजस्य, देश एवं काल

r`rh; bdkbZ % लॉक– जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, ज्ञान का स्वरुप एवं सीमा, वाह्य जगत का अस्तित्व

बर्कले– अमूर्त प्रत्ययों का खण्डन, आत्मगत प्रत्ययवाद

ह्यूम– संस्कार और विज्ञान सरलएवं मिश्र प्रत्यय, प्रत्यय–साहचर्य और ज्ञान, आत्मा का खण्डन, कारणता का खण्डन, संदेहवाद।

prFkZ bdkbZ%   कान्ट– समीक्षावाद संश्लेषणात्मक अनुभव निरपेक्ष निर्णय, ''बुद्धि प्रकृति का निर्माण करती है'', देश एवं काल, ह्यूम का खण्डन

हेगेल– निरपेक्ष सत् का स्वरुप, द्वन्दात्मक पद्धति वस्तुगत, प्रत्ययवाद

Paper II

Western Philosophy **Marks 100**

Unit 1: Plato- Nature of reality, nature of idea, idealism.

Idea of Good, Epistemology, Aristotle- Refutation of Idealism Form and Matter, Causality, Aqunas- God.

Unit 2: Descontes- Philosophical method ‘Cogito ergo sum’

Proofs for the existence of God, Substance, Mind Body Problem

Spinoza- Substance Attributes and modes God- Pantheism mind body relation (Parallelism)

Leibnitz- Monadology, Nature of monds, Pre-established harmony space and time

Unit 3: Lock- Refutation of Innate ideas, nature and limit of knowledge, Existence of external world.

Berkeley- Refutation of Abstract ideas, subjective idealism.

Hume- Impressions and ideas, simple and compound ideas, Association of ideas and knowledge Refutation of soul and causality, skepticism.

Unit 4: Kant Criticism, Synthetic a priori judgements, “Intellect maketh nature”, Space and Time, Refutation of Hume

Hegel- Nature of reality, Dialectic method, objective idealism.

Suggested Reading

1.	B.A.G. Fuller	:	History of western Philosophy
2.	Flakenberg	:	A History of Modern Philosophy
3.	Thilly	:	A History of Philosophy
4.	Russell	:	A History of Western Philosophy
5.	W.T. Stace	:	A Critical History of Greek Philosophy
6.	W.K. Wright	:	A History of Modern Philosophy
7.	दयाकृष्ण	%	पाश्चात्य दर्शन Vol. I & II
8.	याकूब मसीह	:	पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
9.	हरिशंकर उपाध्याय	:	पाश्चात्य दर्शन का उद्भव और विकास
10.	अर्जुन मिश्र	:	पाश्चात्य दर्शन की मुख्य धारायें
11.	जगदीश सहाय श्रीवास्तव	:	अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास

r`rh; i'u i=

lkekftd ,o jktuhfrd n'kZu

i`Fke bdkbZ % समाजदर्शन का स्वरुप, क्षेत्र तथा विषय, मनोविज्ञान, राजनीति शास्त्र समाजशास्त्र एवं दर्शन शास्त्र से सम्बन्ध। सामाजिक संस्थाएँ– परिवार, विवाह का प्राकृतिक एवं नैतिक आधार शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व– प्लेटो, रुसो, गान्धी, एवं डिवी, के विचार

f}rh; bdkbZ % राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त, राज्य के स्वरुप से सम्बन्धित विभिन्न मत, अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता, अन्तर्राष्ट्रीय कानून, न्याय एवं दण्ड के सिद्धान्त

r`rh; bdkbZ % सामाजिक आदर्श, सामाजिक विचारधाराएँ– पूँजीवाद, समाजवाद, साम्यवाद–कार्लमार्क्स, फासीवाद, नाजीवाद

prqFkZ bdkbZ % समकालीन भारतीय सामाजिक विचारधाराएँ– गान्धी, डॉ० भगवान दास, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, सुभाष चन्द्र बोस, महर्षि अरविन्द, राममनोहर लोहिया, आचार्य नरेन्द्र देव, डॉ० अम्बेडकर

Paper III

Social and Political Philosophy **Marks 100**

Unit 1: Nature, Scope and subject matter of social philosophy. It's relation to psychology, Political science, sociology and philosophy,

Social Institutions- Natural and moral basis of family and marriage,

Thought of plato, Rousseu Dewy and Gandhi about education.

Unit 2: Theories of origin of State, Various thoughts about the nature of state, International morality, International Law, Theories of Justice and punishment

Unit 3: Social ideals, Social thoughts- Capitalism Socialism, Communism Fascism, Nazism.

Unit 4: Contemporary Indian Social Thoughts- Gandhi Bhagwandas, Ravindranath Thakur, Subhash Chandra Bose, Aurbindo, Lohia, Narendradev, Ambedkar.

Suggested Reading

1. A.K. Sinha : Outlines of Social Philosophy
2. George H. Sabine : History of Political Philosophy
3. J.S. Machanzi : An Outlines of Social Philosophy
4. D.D. Raphael : Problems of Political Philosophy
5. J. Fierg : Social Philosophy
6. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : समाज दर्शन की भूमिका
7. शिव भानु सिंह : समाज दर्शन
8. हृदय नारायण मिश्र : समाज दर्शन के सिद्धान्त
9. गीता रानी अग्रवाल : धर्म शास्त्रों का समाजदर्शन
10. संगम लाल पाण्डेय : समाज दर्शन की एक प्रणाली
11. बी०एन०सिन्हा : समाजदर्शन : सामाजिक एवं राजनैतिक

prqFkZ iz'u i=
vkpkj 'kkL= ¼Hkkjrh; ,oa ik'pkR;½

iFke bdkbZ % भारतीय नीतिशास्त्र की विशेषताएँ, कर्मवाद एवं पुनर्जन्म पुरुषार्थ की अवधारणा, निष्काम कर्मयोग, लोक संग्रह, अर्हत् और बोधिसत्व का आदर्श

f}rh; bdkbZ % समकालीन नैतिक सिद्धान्त–निप्रकृतिवाद–मूर–शुभ का अर्थ एवं प्राकृतिक दोष, संवेगवाद– ए०जे०एयर, सी०एल०स्टीवेन्सन (नैतिक शब्दों का अर्थ एवं नैतिक निर्णयों का स्वरुप)

r`rh; bdkbZ % परामर्शवाद–आर०एम०हेयर : शुभ का अर्थ, व्याख्यात्मक दोष एवं नैतिक निर्णयों का स्वरुप, वर्णनात्मकतावाद (नव्य–प्रकृतिवाद)– फिलिप्पा फूट– नैतिक प्रत्ययों का अर्थ एवं नैतिक निर्णय टूलमिन–नैतिक निर्णयों के सम्बन्ध में उचित तर्क विश्लेषण का सिद्धान्त।

prqFkZ bdkbZ % अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र–परिस्थितिकी, लिंग भेद, इच्छा–मृत्यु, भ्रूण हत्या

Paper IV

Ethics (Indian & Western) Marks 100

Unit 1: Characteristics of Indian Ethics, Karmvad and Rebirth, concept of Purusharth, Niskam Karmyoga, Loksamgrah, Arhat and ideal of Bodhisattva.

Unit 2: Contemporary Ethical theories: Non-Naturalism- G.E. Moore- Meaning of Good and Naturalistic fallacy, Emotivism- A.J. Ayer, C.L. Stevension (Meaning of moral terms and nature of moral judgements)

Unit 3: Prescriptivism- R.M. Hare Meaning of Good Descriptive fallacy and nature of moral judgements, Descriptivism-

(Neo-Naturalism) Mrs. Philippa fort meaning and nature of moral judgement, Tounlmin- Good reason analysis of moral judgments.

Unit 4: Applied Ethics- Problem of environmental disturbance Gender-inequality Euthanasia, Abortion

Suggested Readings

1.	W.D. Hudson	:	Modern Moral Philosophy
2.	Binkley	:	Contemporary Ethical Theories
3.	Marry Warnock	:	Ethics since 1900
4.	G.J. Warnock	:	Contemporary Moral Philosophy
5.	Rechard B. Brandt	:	Ethical Theory
6.	Fillippa Foot	:	Virtues & Vices
7.	वेद प्रकाश वर्मा	:	अधिनीतिशास्त्र के मुख्य सिद्धान्त
8.	वेद प्रकाश वर्मा	:	नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त
9.	निम्यानन्द मिश्र	:	नीतिशास्त्र
10.	संगम लाल पाण्डेय	:	नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण

i;pe iz'u i=

Kkuehekalk ¼Hkkjrh; ,oa ik'pkR;½

izFke bdkbZ% ज्ञान मीमांसा का स्वरुप, विषयवस्तु एवं क्षेत्र, ज्ञानमीमांसा का तत्त्वमीमांसा, मनोविज्ञान एवं तर्कशास्त्र से सम्बन्ध

f}rh; bdkbZ% प्रमाण, प्रामाण्य और भ्रम सिद्धान्त– न्याय, बौद्ध मीमांसा एवं वेदान्त के अनुसार

r`rh; bdkbZ% सामान्य की समस्या (भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के अनुसार)

prqFkZ bdkbZ% ज्ञान, विश्वास, कल्पना एवं स्मृति, प्रागनुभविक ज्ञान, सत्य के सिद्धान्त– संवादिता, संसक्तता एवं अर्थक्रियावाद

Paper V

Epistemology (Indian & Western) Marks 100

Unit 1: Nature, Subject matter and scope of Epistemology.

It's relation to metaphysics, psychology and logic

Unit 2: Praman, Pramanya and Theory of Error, according to Nyaya, Buddha, Mimamsa and Vedant

Unit 3: Problem of Universal (According to Indian and western Philosophy).

Unit 4: Knowledge, belief, Imagination and Memory. Apriori knowledge, Theories of Truth-Correspondence theory, Coherence theory and Pragamatism.

Suggested Reading

1. D.M. Dutta : Six ways of Knowing
2. S.C. Chatterji : The Nyaya Theory of Knowledge
3. S.K. Srivastava : The Essential Advaitism

4.	N.K. Devraja	:	An Introduction to Shankara's Theory of Knowledge.
5.	A.K. Woozley	:	Theory of Knowledge
6.	Hemlin	:	Theory of Knowledge
7.	A.C. Eving	:	Some fundamental Questions of philosophy
8.	निश्चलदास	:	वृत्ति प्रभाकर
9.	केदार नाथ तिवारी	:	तत्त्वमीमांसा और ज्ञानमीमांसा
10.	राजेन्द्र प्रसाद	:	दर्शन की रुपरेखा
11.	धर्मराजावरीन्द्र	:	वेदान्त परिभाषा
12.	गीता रानी अग्रवाल	:	भारतीय ज्ञान मीमांसा

iipe i'u i= dk fodYi
rdl'kkL=

iFke bdkbl % तर्कशास्त्र का स्वरुप एवं परिभाषा, युक्ति का स्वरुप, सत्यता एवं वैधता, सरल कथन एवं मिश्र कथन, मिश्र कथनों के प्रकार, वाक्याकार पुनर्कथन सम्भाव्य एवं व्याघाती युक्ति आकार : सत्यता सारणी एवं संक्षिप्त सारणी द्वारा वैधता एवं अवैधता का परीक्षण

f}rh; bdkbl % वैधता का आकारिक प्रमाण—अनुमान के नियम, प्रतिस्थापन के नियम। सोपाधिक प्रमाण, सोपाधिक प्रमाण का अतिबल नियम अवैधता का प्रमाण, अप्रत्यक्ष प्रमाण का नियम पुनर्कथन के प्रमाण का नियम।

r`rh; bdkbl % परिमाणन सिद्धान्त— एक वचनात्मक एवं सामान्य तर्कवाक्य परिमाणन के प्रारम्भिक नियम, प्रतीकीकरण, वैधता एवं अवैधता सिद्ध करना।

prFkZ bdkbZ % सम्बन्धात्मक तर्कशास्त्र, सम्बन्धों की कुछ विशेषताएँ, तादात्म्य और निश्चित वर्णन, सम्बन्धनात्मक युक्तियों की वैधता एवं अवैधता सिद्ध करना।

Logic

Unit 1: Nature and definition of Logic, Nature of Argument, Truth and Validity, Simple and compound statements, kinds of compound statements, Statement-form-Tautology, contingent and contradictory, Argument-form-testing validity and in validity through truth table method and short table method.

Unit 2: Formal proof of validity- Rules of Inference and Rules for substitution, Conditional proof, Strengthened conditional proof, Proof of Invalidity, Indirect proof, proof of Tautology.

Unit 3: Quantification:- Singular and General proposition, Primary rules of Quantification, Symbolization of Propositions, Proving validity & invalidity.

Unit 4: Relational Logic, Some Properties of relations Identity and definite description, Proving validity and invalidity of Relational arguments.

Suggested Reading

1. I.M. Copi : Sybolic Logic
2. Suppes : Introduction to Symbolic logic
3. Bassion and Connor : Introduction to symbolic logic
4. अविनाश तिवारी : प्रतीकात्मक तर्क शास्त्र : एक अध्ययन
5. अशोक कुमार वर्मा : प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

,eå,å vfUre o"kZ

"k"Ve iz'u i=

i`Fke bdkbZ % श्री अरविन्द–ज्ञानमीमांसा, व्यक्ति, प्रकृति एवं ईश्वर की अवधारणा, दिव्य जीवन–बोध

गान्धी–ईश्वर आत्मा सत्य, अहिंसा

विवेकानन्द तत्त्वमीमांसा, सार्वभौमिक धर्म

f}rh; bdkbZ % जी०ई०मूर– विज्ञानवाद का खण्डन, इन्द्रिय प्रदत्त रसेल–तार्किक परमाणुवाद तटस्थ एकत्ववाद, फ्रेगे–अर्थ और संदर्भ।

विट्गेन्स्टाइन (पूर्ववर्ती) तार्किक परमाणुवाद, अर्थ का चित्र सिद्धान्त, ए०जे० एयर– सत्यापन सिद्धान्त, तत्त्वमीमांसा का खण्डन।

r`rh; bdkbZ % विट्गेन्स्टाइन (पश्चातवर्ती) तार्किक परमाणुवाद का खण्डन, दार्शनिक समस्याओं का स्वरुप, भाषा–खेल, गिलवर्ट राईल–श्रेणी–भूल, जे०एल०आस्टिनः वाक्–कार्य, क्वाइन– तीक्ष्ण अनुभववाद, स्ट्रासनः व्यक्ति की अवधारणा।

prqFkZ bdkbZ % हुजरल–फेनामेनालाजिकीय विधि, चेतना की विषयापेक्षा कोष्टीकरण–विच्छेद, अस्तित्ववाद–किक्रेगार्ड, हेडगर, सार्त्र

M.A. Final

Paper VI

Contemporary Philosophy Marks 100

Unit 1: Sri Aurbindo- Epistemology, conception of Man Nature and God, Realization of Devine life. Gandhi- God, Soul Truth and non-violence. Vivekanand: Religion Metaphysics, Universal.

Unit 2: G.E. Moore-Refutation Idealism, Sense data, Russell-logical Atomism, Neuteral Monism, Frege-Meaning and Reference Wittgenstein (former)- Logical Atomism- Picture theory of meaning A.J. Ayer Verification Principle, refutation of metaphysics

Unit 3: Wittgenstein (Latter) Refutation of logical Atomism, Nature of Philosophical Problem, Language game, Gilbert Ryle-Categorical-miskate, J.L. Austin-Spech act, Quine- Acute emprircism P.F. Strawson- Concept of person.

Unit 4: Husseral-Phenomenological method, Intentionality of conciousness, Epoche and Reduction Existentialism-Kirkegaurd, Hedeggar and Sartre.

Suggested Reading

1. D.M. Dutta : Chief Currents of contemporary Philosophy
2. John Hospers : An Introduction to Philosophical Analysis
3. Ammerman : Classics of Analytic Philosophy
4. Richard Rorty : The Linguistic Turn
5. Pitcher : The Philosophy of Wittgenstein
6. J. Passmore : A Hundred years of Philosophy
7. वी०के०लाल : समकालीन भारतीय दर्शन
8. वी०के०लाल : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
9. शान्ति जोशी : समसामयिक भारतीय दार्शनिक
10. नित्यानन्द मिश्र : समकालीन पाश्चात्य दर्शन

lIre i;'u i=
rqyukRed /keZ

iFke bdkbZ % तुलनात्मक धर्मः अर्थ, महत्त्व, क्षेत्र और पद्धति, धार्मिक अनुभूति का स्वरूप, धार्मिक अनुभूति की अभिव्यक्ति : वैचारिक, क्रियात्मक एवं सामुदायिक।

f}rh; bdkbZ % बौद्ध धर्म : बुद्ध की मूल शिक्षाएँ, हीनयान और महायान, जैन धर्म : जीवन, बन्धन–मोक्ष, पंच महाव्रत और त्रिरत्न।

कन्फ्यूशियस धर्म : नैतिक विचार

ताओ धर्म : ताओ एवं जेन

r`rh; bdkbZ % हिन्दू धर्म : वैदिक धर्म– देवता तत्त्व, वैष्णव, शैव एवं शाक्त सम्प्रदाय

मध्यकालीन संत परम्परा–कबीर, नानक, मीराबाई, तुलसीदास, सूरदास

prqFkZ bdkbZ % ईसाई धर्म : ईश्वर, ईश्वरपुत्र एवं पवित्र आत्मा, ईसा के मुख्य उपदेश,

इस्लाम धर्म : पंचस्तम्भ, सूफी विचारधारा

Paper VII

Comparative Religion **Marks 100**

Unit 1: Meaning, Importance, Scope and method of comparative Religion Nature of Religious Experience, Expression of Religious Experience in thought, Action and fellowship.

Unit 2: Buddhism, Fundamental Teaching of Buddha Hinyana and Mahayana

Jainism- Jiva, Bondage and Liberation, Five great vows (Panch Mahabrata), Three jewels (Triratna) Confucianism- Tao and Zen

Unit 3: Hinduism: Vedic Dharma, Devata Tattva, Vaishnava, Shaiva and Shakt School, Medeaval Saint Tradition: Kabir, Nanak, Mirabai, Tulasidas and Surdas

Unit 4: Christianity- God, God-Son, Holy-Ghost

Main Teachings of Jesus Christ

Islam: Five Pillars, Sufi Thoughts,

Suggested Reading

1.	Joachim Wach	:	A comparative study of Religions
2.	P.V. Chatterji	:	Studies in Comparative Religion
3.	J.N. Ferkuhar	:	Outlines of religions litratue of India
4.	R.S. Misra	:	Hinduism
5.	आर०एस०श्रीवास्तव	:	तुलनाम्त्मक धर्म
6.	एच०एन०मिश्र	:	विश्व के प्रमुख धर्म
9.	याकूब मसीह	:	धर्म का तुलनात्मक अध्ययन
7.	हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा	:	धर्मदर्शन की रुपरेखा

v"Ve i='u i=

'kkadj osnkUr

i`Fke bdkbZ % ब्रह्मसूत्र शांकर–भाष्य चतु:सूत्री

f}rh; bdkbZ % ब्रह्मसूत्र शांकर–भाष्य– तर्कपाद

r`rh; bdkbZ % वेदान्त परिभाषा– प्रमेय विचार

prqFkZ bdkbZ % वेदान्त परिभाषा– प्रमाण और प्रामाण्य

Paper VIII

Samkar Vedant **Marks 100**

Unit 1: Brahmasutra Samkar Bhasya Chatuhsutri.

Unit 2: Brahmsutrasankar Bhasya- Tarkapada

Unit 3: Vedant Paribhasa- Prameya- Vichar

Unit 4: Vedant Paribhasa- Praman and Prameya

Suggested Reading

1.	K.C. Bhattacharya	:	Studies In Vedantism
2.	N.K. Devraja	:	An Introduction to Shankar's Theory of Knowledge
3.	S.S. Ray	:	The Heritage of Shankara
4.	Mahadevan	:	The Philosophy of Advaita
5.	रमाकान्त त्रिपाठी	:	ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य चतु : सूत्री
6.	धर्मराजाध्वीरीन्द	:	वेदान्त परिभाषा
7.	जे०एस०श्रीवास्तव	:	अद्वैत वेदान्त की तार्किक भूमिका
8.	चन्द्र धर शर्मा	:	बौद्ध दर्शन और वेदान्त
9.	अर्जुन मिश्रा	:	अद्वैत वेदान्त।

uoe iz'u i=

dkUV

iFke bdkbZ % समीक्षावाद, संश्लेषणात्मक अनुभवनिरपेक्ष निर्णय कापरनिकसीय क्रान्ति

अतीन्द्रिय संवेदनशास्त्र– देश काल का तात्विक निगमन, देशकाल का अतीन्द्रिय निगमन

f}rh; bdkbZ% अतीन्द्रिय विश्लेषिकी– वुद्धि विकल्पों का तात्विक, अतीन्द्रिय निगमन एवं आत्मनिष्ठ निगमन विशुद्ध समाकल्पना की अतीन्द्रिय संश्लेषणात्मक एकता, आकारायण

r`rh; bdkbZ% शुद्धि बुद्धि के सिद्धान्तो की व्यवस्था– अनुभव की स्वयं सिद्धयाँ, प्रत्यक्ष के पूर्वावधारण, अनुभव के सादृश्य, आनुभविक विचार की पूर्वमान्यताएँ, संवृत्ति एवं परमार्थ।

prqFkZ bdkbZ% अतीन्द्रिय द्वन्द न्याय– अतीन्द्रिय भ्रम, बौद्धिक मनोविज्ञान के तर्कामाष– बौद्धिक सृष्टि विज्ञान के विप्रतिषेध, बौद्धिक ईश्वर विज्ञान के व्याघात।

Paper IX

Kant **Marks 100**

Unit 1: Criticism, Synthetic Apriori judgements, Copernican revolution, Transcendental Acsthetic-metaphysical and Transcendental deduction of Space & Time

Unit 2: Transcendental Analytic- Metaphysical, Transencendental and Subjective deduction of Categories, Transencendental synthetic unity ransencendental of pure apperception, schematism.

Unit 3: Analytic- System of Principles of pure Reason- Axioms of Intution, Anticipation of Perception, Analogy of Experience, Postulates of Empirical thought, Noumena & Phenomena.

Unit 4: Transcendental Dialectic – Transcendental illusion, Para-logisms of Rational psychology, Antinomies of rational consmology, contradictions of Rational Consmology.

Suggested Reading

1. Kant (Tr. N.K. Smith): Critique of Pure Reason

2.	Paton	:	Metaphysics of Experience
3.	A.C. Eving	:	A short Commentary on Kant critique of pure Reason
4.	Korner	:	Kant
5.	Hartnock	:	Kant’s Theory of Knowledge
6.	N.K.Smith	:	A short commentary on Kant’s Critique of Pure Reason
7.	B.A.G. Fuller	:	A History of Western Philosophy
8.	Edward Caird	:	Critical Philosophy of Imanucl Kant
9.	P.F. Strawson	:	The Bounds of Sense
10.	Benett	:	Kant’s Dialectics
11.	संगमलाल पाण्डेय	:	कान्ट का दर्शन
12.	सभाजीत मिश्र	:	कान्ट का दर्शन
13.	जगदीश सहाय श्रीवास्तव	:	अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास

n'ke· iz'u i=

fucU/k ys[ku

Paper X

Essay Writting **Marks 100**

दसवाँ प्रश्न पत्र निबन्ध लेखन का होगा जिसकी विषयवस्तु एम०ए० प्रथम वर्ष एवं एम० अन्तिम वर्ष में पढ़ाये गये प्रश्न पत्रों से होगी। प्रश्न पत्र में कुल दस प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को उसमें किसी एक को हल करना होगा। यह प्रश्न पत्र तीन घंटे की अवधि का तथा 100 अंक का होगा।

There shall be one paper of essay, the subject matter of which will be from the papers taught in M.A. previous and M.A. final. There will be

ten questions in the paper. The student will have to attempt one of them. The paper will be of duration of three hours and carry 100 marks.

Mkå 'kf'knoh flg
अध्यक्ष, दर्शन विभाग
म०गा०काशी विद्यापीठ, वाराणसी

odfYid iz'u i=

ukV& प्रश्न पत्र 8 एवं 9 के लिए निम्नलिखित में से किन्हीं दो का चयन किया जा सकता है।

egk;ku ckS) n'kZu

ikB~; iqLrd

नागार्जुन	:	मूल माध्यमिक कारिका अध्याय 1, 24, 25
बसुवन्धु	:	विज्ञप्ति मात्रता सिद्धि

lgk;d xzUFk

डॉ० टी०आर०वी०मूर्ति	:	दि सेण्ट्रल फिलासफी आफ बुद्धिज्म
शान्तिदेव	:	बोधिचर्यावतार
सोरेन	:	दि सिस्टम आफ बुद्धिस्ट थाट
मुखर्जी	:	दि बुद्धिस्ट फिलासफी आफ यूनिवर्सल फलक्स
सी०डी०शर्मा	:	बौद्ध दर्शन और वेदान्त
टी०टी०सुजकी	:	आउट लाइन्स आफ महायान बुद्धिज्म
भट्टाचार्य	:	दि बेसिक कन्सेप्शन आफ बुद्धिज्म
मिसेज डेविडम	:	ए मैनुअल आफ बुद्धिज्म
श्येरवास्की	:	कन्सेप्सन आफ बुद्धिस्ट निर्वाण
चटर्जी	:	योगाचार आइडियालिज्म
टी०एम०पी० महादेवन्	:	दि सेण्ट्रल कन्सेप्शन आफ बुद्धिज्म

सी०डी० शर्मा : सौगत सिद्धान्त सार संग्रह

OPTIONAL PAPER

NOTE: For Paper No-8 & 9 any two of the following papers can be opted.

Mahayana Buddhist Philosophy

Prescribed Text:

Nagarjuna : Mula Madhyamika-karika-chapters 1,2,4,25

Vasubandhu : Vijnapti Matrata Siddhi

Recommended Books:

Dr. Murti : The Central Philosophy of Buddhism

Santi Deva : Bodhicaryavatara

Mukherji : The Buddhist Philosophy of Universal Flux

C.D. Sharma : Bauddha Darsana aur vedanta

T.D. Suzuki : Out lines of Mahayana Buddhism

Bhattacharya : The Basic conception of Buddhism

Mrs. Davids : A Manual of Buddhism

Chatterji : Yogacara Idealism

T.M.P. Mahadevan : The Central conception of Buddhism

C.D. Sharma : Saugata siddhanta sara sangraha

jkekuqt

ikB; iqLrd% JhHkk";

वेदान्त : तत्त्वमुक्ताकलाप

lgk;d xzUFk

वरदाचारी : रामानुजाज थियरी ऑफ नालेज

श्रीनिवासाचारी : फिलासफी आफ विशिष्टाद्वैत

Ramanuja

Prescribed Text:

Ramanuja : Sribhasya

Vedanta Desika : Tattva Mukta Kalapa

Recommended Books:

Varadacari : Ramanuja's Theory of Knowledge

Sri Nivasacari : Philosophy of visisatadvaita

tSu n'kZu

ikB; iqLrd

उमा स्वामी : तत्वार्थ सूत्रम्अध्याय– 1,2,5,10

सिद्धसेन : न्यायावतार

मल्लिसेन : स्याद्वाद मंजरी

lgk;d xzUFk

तातिया : स्टडीज इन जैन फिलासफी

महेन्द्र कुमार : जैन दर्शन

अकलंक : प्रमाण प्रवेश

सिन्हा : इण्डियन रिलिज्म

चटर्ची : हिन्दू रियलिज्म

Jaina Philosophy

Prescribed Text:

Umaswati	:	Tattvartha Sutram : Chapters- 1,2,5,10
Siddhasena	:	Nayavatara
Mallisena	:	Syadvada Manjari

Recommended Books:

Tatiya	:	Studies in Jaina Philosophy
Mahendra Kumara	:	Jaina Darsana
Akalanka	:	Pramana-Pravesa
Sinha	:	Indian Realism

U;k; oS'kSf"kd

ikB~; iqLrd

न्याय सूत्र	:	वात्स्यायन, भाष्य सहित
वैशेषिक सूत्र	:	प्रशस्तपाद भाष्य

lgk;d xzUFk

चटर्जी	:	न्याय थियरी आफ नालेज
भादूरी	:	दि न्याय वैशेषिक मेटाफिजिक्स
फेडेगस	:	दि वैशेषिक सिस्टम
सिन्हा	:	इण्डियन रियलिज्म
चटर्जी	:	हिन्दू रियलिज्म
विश्वनाथ	:	न्याय सिद्धान्त–मुक्तावली

Nyaya-Vaisesika

Prescribed Text:

Nyaya sutra with the commentary of Vatsyayana

Vaisesika Sutra with commentary of Prasastapada

Recommended Books:

Chatterjii	:	Nyaya Theory of knowledge
Bhaduri	:	The Nyaya vaisesika Metaphysics
Fedegus	:	The vasesika System
Sinha	:	Indian Realism
Chatterji	:	Hindu Realism
Visvanatha	:	Nyaya siddhanta Muktavali

xhrk

ikB; iqLrd

श्रीमद्भावदगीता : शांकरभाष्य

श्रीमद्भावदगीता : रामानुज भाष्य

श्री अरविन्द : एसेज : आन गीता

lgk;d xzFk

बी०भावे : गीता प्रवचन

आर०डी०रानडे : भगवद्गीता एज ए फिलासफी आफ गाड रियलाइजेशन

बी०जी०तिलक : गीता रहस्य

Gita

Prescribed Text:

Srimad Bhagwadgita : Sankara's Commentary

Srimad Bhagwadgita : Ramanuja's Commentary

Sri Aurobindo : Essays on Gita

Recommended Books:

B.Bhave : Gita-Pravachana

R.D. Ranade : Bhagavad Gita as a Philosophy of God-Realization

B.G. Tilaka : Gita Rahasya

lyVk

ikB; iqLrd

आवेर : दि डाइलाग्स आफ रिपब्लिक थीटिट्स, पार्मेनाइडीज, सोफिस्ट, (सिम्पोजियम को छोड़कर)

फील्ड : प्लेटो

lgk;d xzUFk

टेलर : प्लेटो दि मैन एण्ड हिज वर्क्स

जेलर : प्लेटो एण्ड दि ओल्डर एकेडमी

गाम्पर्ज : ग्रीक थिंकर्स

बर्नेट : ग्रीक फिलासफी

Plato

Prescribed Text:

Auber : The Dialogue of Republic : Thietitus, Permenides, Sophist (Except symposium)

Field : Plato

Recommended Books:

Tailor : Plato, the Man and his work

Zeller : Plato and his older academy

Gomperz : Greek Thinkers

vjLrq

ikB~; iqLrdsa

आरिस्टाटल : मेटाफिजिक्स

मैकियन : दि बेसिक राइटिंग आफ अरिस्टाटल

lgk;d xzUFk

बर्नेट : ग्रीक फिलासफी

जेलर : अरिस्टाटल

गाम्पर्ज : ग्रीक थिंकर्स

रॉस : अरिस्टाटल

वैलेस : आउटलाइन्स आफ दि फिलासफी आफ अरिस्टाटल

एलेव : अरिस्टाटल

डॉ० जगदीश सहाय श्रीवास्तव : ग्रीक दर्शन का वैज्ञानिक अध्ययन

Aristotle

Prescribed Text:

Aristotle : Metaphysics

Macian : The Basic writings of Aristotle

Recommended Books:

Burnett : Greek Philosophy

Jaigar : Aristotle

Gomperz : Greek Thinkers

Ross : Aristotle

Bailes : Outlines of the Philosophy of Aristotle

Eleva : Aristotle

Dr. J.S. Srivastava : Greek Darsana ka Vaijnanika Adhyayana

fgxy

ikB; iLrd

हीगेल : फेनामेनालॉजी आफ माइण्ड

वैसेस द्वारा अनुमदित : साइन्स आफ लाजिक, भाग–2

स्टेस : दि फिलासफी आफ हीगेल

lgk;d xFk

म्योर : द स्टडी आफ हीगेल्स लाजिक

म्योर : ऐन इण्ट्रोडक्सन टू हीगेल

फिण्डले	:	हीगेल

Hegal

Prescribed Text:

Hegel	:	Phenomenology of Mind
Wallace	:	Translation of Science of Logic Part-2
Stace	:	The Philosophy of Hegel

Recommended Books:

Mure	:	The study of Hegel's Logic
Mure	:	An Introduction to Hegel
Findle	:	Hegel

ekDlZ vkj ,ftYl

ikB~; iqLrd

एंजिल्स	:	एण्टी ड्यूरिंग
टेक्स्टबुक आफ मार्क्सिस्ट फिलासफी	:	लेनिनग्राद इन्स्टीट्यूट आफ फिलासफी

lgk;d xzUFk

बुखरिन और अन्य	:	मार्क्सिज्म एण्ड माडर्न
जी०वी०प्लासनोव	:	फण्डामेण्टल प्राबलम्स आफ मार्क्सिज्म
सिडनी हुक	:	फ्राम हीगेल टू मार्क्स
मार्क्स एवं एंजिल्स	:	दि जर्मन आइडियालाजी

Marx and Engels

Prescribed Text:

Engels	:	Anti Duhring

Leningard Institute of Philosophy : Text Book of Marxist Philosophy

Recommended Books:

Bukharine & others : Marxism and Modern Thought

G.B. Plakhnova : Fundamental Problems of Marxism

Sidney Huke : From Hegel to Marx

Marx and Engles : The German Ideology

lkSUn;Z 'kkL=

ikB~; iqLrdsa

बोलाके : हिस्ट्री आफ ऐस्थेटिक्स

के०सी० पाण्डेय : इण्डियन ऐस्थेटिक्स

lgk;d xzUFk

कैरेट : दि थियरी आफ ब्यूटी

कालिंगउड : प्रिंसिपल आफ आर्टस

एस०के०डे० : स्टडीज इन दि हिस्ट्री आफ संस्कृत पोथटिक्स

कुमार स्वामी : डान्सेज आफ शिव

क्रोचे : एस्थेटिक्स

के०ई० गिलबर्ट एण्ड आर०एच० कुहन : हिस्ट्री आफ एस्थेटिक्स

पार्कर : फिलासफी आफ आर्ट

एम०सी० वियर्डस्ले : एस्थेटिक्स फ्राम एन्शियण्ट ग्रीस टू दि प्रजेक्ट

Aesthetics

Prescribed Text:

Bosanquet : History of Aesthetics

K.C. Padeny : Indian Aesthetics

Recommended Books:

Cairett : The Theory of Beauty

Colling wood : Principles of Arts

S.K. Dey : Studies in History of Sanskrit poetics

Kumar Swami : Dances of Shiva

Kroche : Aesthetics

K.E. Gilbert & R.H. Kuhan: History of Aesthetics

Parker : Philosophy of Arts

M.C. Biardsle : Aesthetics From Ancient Greece to the present.

/keZ n'kZu

ikB~; iqLrd

जॉन हिक : फिलासफी आफ रिलिजन

गैलोबे : फिलासफी आफ रिलिजन

ऑटो : आइडिया आफ होली

lgk;d xzUFk

जानहिक : क्लासिकल एण्ड कण्टेम्पोरेरी रीडिंग्स इन दि फिलासफी आफ रिलिजन

बर्ट, इ०ए० : टाइम्स आफ रिलजस फिलासफी

लक्ष्मीनिधि शर्मा : धर्म दर्शन की रूपरेखा

आर०के० त्रिपाटी : प्राबलम्स आफ फिलासफी एण्ड रीलिजन

Philosophy of Religion

Prescribed Text:

John Hick	:	Philosophy of Religion
Galloway	:	Philosophy of Religion
Otto	:	Idea of Holly

Recommended Books:

John. Hick	:	Classical and Contemporary Readings in the Philosophy of Religion.
Burtt, E.A.	:	Types of Religious Philosophy
L.N. Sharma	:	Dharma Darsana ki Ruparekha
R.K. Tripathi	:	Problems of Philosophy and Religion

lk[;;kx

ikB; iLrd

ईश्वरकृष्ण	:	सांख्यकारिका, तत्त्व कौमुदी सहित
पातंजलि	:	योग सूत्र–व्यास भाष्य तथा तत्त्व वैशारदी
विज्ञान भिक्षु	:	योग वार्त्तिक

lgk;d xFk

ए०वी०कीथ	:	दि सांख्य सिस्टम
एस०वी०बनर्जी	:	दि सांख्य फिलासफी
हरिहरानन्द आरण्य	:	पातंजल योग दर्शन
दास गुप्ता	:	राजयोग फिलासफी आफ रिलिजन

Sankhya-Yoga

Prescribed Text:

Isvara Krisna	:	Sankhya-karika with Tattva kumudi

Patanjali	:	Yoga sutra with commentary of vyasa and Tattva-vaisardi
Vijnana-Bhiksu	:	Yoga Vartika

Recommended Books:

Isvara Krisna	:	The Sankhya System
S.V. Banarji	:	The Sankhya Philosophy
Hariharananda Aranya	:	Patanjali yoga Darsana
Das Gupta	:	Raia-Yoga Philosophy of Religion

dk'ehj 'ko n'ku

ikB; iLrd

ठाकुर जायदेव सिंह	:	प्रत्यभिज्ञाहृदयम्
के०सी० पाण्डेय	:	भास्करी भाग–3

lgk;d xFk

जे०सी० चटर्जी	:	काश्मीर शैविज्म
के०सी० पाण्डेय	:	अभिनवगुप्त–ऐन हिस्ट्रारिकल एण्ड फिलासफीकल स्टडी
डॉ० बी० लाल जोशी	:	काश्मीर शैव दर्शन और कामायनी (पूर्वाद्ध)

Kaismira Saivism

Prescribed Text:

Thakura Jayadeva Singh	:	Pratyathinga Hrdayam
K.C. Padeny	:	Bhaskari Part-3

Recommended Books:

J.C. Chaterji	:	Kasmira Saivism

K.C. Pandeya : Abhinava Gujpta: An Historical and Philosophical study

Dr. B.Lal Joshi : Kasmira Saiva-Darsana and Kamayani (First part)

ek/o lEiznk; dk o".ko onkUr

ikB~; iqLrd

ब्रह्मसूत्र भाष्य तत्त्व प्रकाशिका सहित

lgk;d xzUFk

एस०एन०दास गुप्ता : ए हिस्ट्री आफ इण्डियन फिलासफी

बी०एन०के०शर्मा : फिलासफी आफ मध्व

Madhva School of Vaisnava Vedanta

Prescribed Text:

Brahmasutra Bhasya with Tattva Prakasika

Recommended Books:

S.N. Dasgupta : A History of Indian Philosophy

B.N.K. Sharma : Philosophy of Madhva

cSMys

ikB~; iqLrd

ब्रैडले : आभास और सत

lgk;d xzUFk

रूडोल्फ मेट्र्स : ए हण्ड्रेड इयर्स आफ ब्रिटिश फिलसफी

एस०सी० इबिंग : आईडियालिज्म– ए क्रिटिकल सर्वे

हीरालाल हालदार : नियो हेगेलियनिज्म

ओल्हेम रिचार्ड : एफ०एच०ब्रैडले

Bradley

Prescribed Text:

Bradley : Appearance and Reality

Recommended Books:

Rudolf Metz : A hundred years of British Philosophy

A.C. Ewing : Idealism a critical survey

Hiralal Haldar : New Hegelianism

Olhem Richard : F.H. Bradely

foVxLVkbu

ikB; iqLrd

एल० विटगेस्टाइन : फिलासफिकल इनवेस्टीगेशन्स (जी० एन्सकाम्ब कृत अनुवाद)

जी० एन्सकाम्ब : विटगेन्स्टाइन्स ट्रैक्टेटस

lgk;d xzFk

बर्नेट : फिलासफी आफ विटगेंस्टाइन

जेलर : ब्लू एण्ड ब्राउन बुक्स

गाम्पर्ज : एन इन्ट्रोडक्सन टू विटर्गेस्टाइनस ट्रैक्टेटस

बर्नेट : विटगेन्स्टाइन्स लेटर फिलासफी

Wittgenstein

Prescribed Text:

L. Wittgenstein : Philosophical Investigations (Translated by G. Enscombe)

G. Enscombe : Wittgensteins Tractatus

Recommended Books:

G.Pitcher	:	Philosophy of Wittgenstein
L. Wittgenstein	:	Blue and Brown Book
E. Stanius	:	An Introduction to Wittgenstein Tractatus
D. Paul	:	Wittgenstein's latter Philosophy

ukV % दर्शनशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के एम0ए0–द्वितीय वर्ष में प्रश्न पत्र संख्या–8 एवं 9 में क्रमशः काण्ट एवं शांकर वेदान्त पढ़ाए जाते है। यदि किसी सम्बद्ध महाविद्यालय में इनके अतिरिक्त कोई अन्य वैकल्पिक प्रश्न पत्र पढ़ाएं जा रहे है तो इसकी सूचना परीक्षा नियंत्रक कार्यालय को शीघ्र प्राप्त करायी जाय। अन्यथा प्रश्न पत्रों का निर्माण संभव नहीं होगा।

Note: This is to be noted that in M.A. II, Philosophy Deptt. M.G. Kashi Vidyapith, only Kant and Shankar Vedant is tought as paper no- 8 & 9. If any other optional Paper is running in the affiliated Colleges it should be informed to the office of the Controller of Examination, else question paper setting will not be possible.

Mkå 'kf'knoh flg
अध्यक्ष, दर्शन विभाग
म०गा०काशी विद्यापीठ, वाराणसी